

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

2. (Signature) _____
(Name) _____

Test Booklet No.

J-9208

PAPER – III
HUMAN RIGHTS AND
DUTIES

Time : 2½ hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

HUMAN RIGHTS AND DUTIES

मानव अधिकार एवं कर्तव्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

In pre-capitalist systems it was obvious that most people did not control their destiny-under feudalism, for instance, serfs had to work for their lords. Capitalism seems different because people are in theory free to work for themselves or for others as they choose. Yet most workers have as little control over their lives as feudal serfs. This is not because they have chosen badly. Nor is it because of the physical limits of our resources and technology. It is because the cumulative effect of countless individual choices is a society that no one-not even the capitalists - has chosen. Where those who hold the liberal conception of freedom would say we are free because we are not subject to deliberate interference by other humans, Marx says we are not free because we do not control our own society. Economic relations between human beings determine not only our wages and our prospects of finding work, but also our politics, our religion, and our ideas. These economic relations force us into a situation in which we compete with each other instead of cooperating for the good of all. These conditions nullify technical advances in the use of our resources. Rationally organized, industrialisation should enable us to enjoy an abundance of material goods with a minimum of effort; under capitalism, however, these advances simply reduce the value of the commodity produced. Worse still, the absence of an overall planning in the economy leads to crises of overproduction and to recession in which the economy operates in a manner that neither workers nor capitalists desire. The economic relations are our own creations. Therefore, we are not truly free until, instead of letting our creations control us, we collectively take control of them. Hence the significance of a planned economy. In an unplanned economy human beings grant the market control over their lives. Planning the economy is a reassertion of human sovereignty and an essential step towards true human freedom.

पूर्व पूंजीवादी पद्धति में, यह स्पष्ट है कि बहुसंख्यक जनता ने अपने भाग्य को नियंत्रित नहीं किया जैसे सामन्तवादी व्यवस्था में, दासों को अपने स्वामियों के लिए कार्य करना पड़ता था। पूंजीवादी व्यवस्था अलग है क्योंकि जनता सिद्धान्ततः अपने लिए या दूसरों के लिए, जैसा वे चयन करें, काम करने के लिए स्वतंत्र है। परन्तु वास्तव में बहुसंख्यक कर्मचारियों को, सामन्तवादी व्यवस्था के दासों की तरह, अपने जीवन पर बहुत कम नियंत्रण है। यह इसलिए नहीं है क्योंकि उनका चयन बुरा है या हमारे संसाधनों और तकनीक की भौतिक सीमाओं के कारण ऐसा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि, एक समाज में अवगणित वैयक्तिक चयनों के एकत्रीभूत ऐसे प्रभाव हैं, जिसे एक व्यक्ति कोई पूंजीवादी भी, नहीं चुन सकता है। जो स्वतंत्रता की उदारवादी धारणा रखते हैं, वे कह सकते हैं कि हम आजाद हैं क्योंकि हम अन्य मनुष्यों के द्वारा जान बूझकर किये गये हस्तक्षेप का विषय नहीं हैं। मार्क्स का कहना है कि हम आजाद नहीं हैं क्योंकि हम अपने समाज का नियंत्रण नहीं करते। मनुष्यों के मध्य, आर्थिक सम्बन्धों का निर्णय, केवल मजदूरी और कार्य पाने की संभावनाओं से नहीं होता बल्कि हमारी राजनीति, हमारे धर्म और हमारे विचारों से भी होता है। ये आर्थिक सम्बन्ध सबके हित के लिए, किसी एक परिस्थिति में हमें एक दूसरे से सहयोग करने की बजाय, प्रतियोगिता करने के लिए बाध्य करते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ हमारे संसाधनों के उपयोग में, तकनीकी विकास को नकारती हैं। तर्कसंगत रूप से प्रबन्ध किये गये औद्योगीकरण से हमें न्यूनतम प्रयास के द्वारा अत्यधिक भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। पूंजीवादी व्यवस्था के अन्तर्गत ये विकास सहज ही उत्पादित सामग्रियों के मूल्य घटा देते हैं। इससे भी बुरा यह है कि आर्थिक क्षेत्र में समग्र नियोजन के अभाव के कारण अत्यधिक उत्पादन और मन्दी की स्थिति पैदा होने की संभावना आती है, जिसमें अर्थव्यवस्था इस तरह कार्यान्वित होती है जैसा न कर्मचारी चाहते हैं न पूंजीपति। आर्थिक सम्बन्ध हमारे ही द्वारा सृजित हैं अतः हम तब तक सही अर्थों में आजाद नहीं है जब तक हम अपने सृजन के द्वारा नियंत्रित न होकर सामूहिक रूप से उनपर नियंत्रण करें। अतः एक योजनाबद्ध आर्थिक व्यवस्था की एक अलग पहचान है! अनियोजित अर्थव्यवस्था में व्यक्ति अपने जीवन का नियंत्रण बाजार को सौंप देता है। अनियोजित अर्थ व्यवस्था मानव सार्वभौमता का पुनःदृढ़ीकरण है तथा यह मनुष्य की सच्ची आजादी की ओर बढ़ाया गया, एक अनिवार्य कदम है।

1. Bringout the differences between capitalism and feudalism.

पूँजीवाद और सामन्तवाद का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. Examine the reasons why the workers have little control over their lives.

कर्मचारियों का अपने जीवन पर कम नियंत्रण है, क्यों? कारणों की समीक्षा करें।

3. Explain the impact of economic relations between human beings on their lives.
मनुष्यों के मध्य, उनके जीवन पर, आर्थिक सम्बन्धों का क्या प्रभाव है? स्पष्ट कीजिए।

4. Examine the significance of the need for overall planning of the economy.
अर्थव्यवस्था में, समग्र योजना की अनिवार्यता के महत्व का विवेचन करें।

5. When can man become truly free, according to Marx ?

माक्स के कथनानुसार मनुष्य कब सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होगा ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 Marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. What is World Trade Organisation ? Write briefly about its impact on human rights.

विश्व व्यापार संगठन क्या है? मानवाधिकार पर पड़नेवाले इसके प्रभाव को, संक्षेप में लिखें।

7. Write a brief note on the Fundamental Duties enshrined in the Indian Constitution.

भारतीय संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

8. Examine the role of 'National Minorities Commission'.

'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग' की भूमिका का विवेचन करें।

9. Discuss the concept of Sustainable Development.

दीर्घकालीन विकास की अवधारण का विवेचन करें।

10. What do you mean by Third Generation Human Rights ? Bringout their importance.

तीसरी पीढ़ी के मानवाधिकारों से आप क्या समझते हैं? उनके महत्व बतायें।

11. Discuss the concept of 'Civil Society' and show how it is related to human rights.

‘नागरिक समाज’ की अवधारणा का विवेचन करें। मानवाधिकार से इसका क्या सम्बन्ध है?

12. Trace briefly the magnitude of rural poverty in India since 1990.

भारत में 1990 से ग्रामीण गरीबी की मात्रा पर, संक्षिप्त विवरण दें।

13. Write a note on the International Covenant on Economic, Social and Cultural Rights.
आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा पर टिप्पणी लिखें।

14. Explain Gramscian concept of Hegemony.
ग्रामशी के आधिपत्य की अवधारणा की व्याख्या करें।

15. Define Refugee law and explain its meaning and nature.

'शरणार्थी कानून' को परिभाषित करें तथा इसके अर्थ और प्रकृति की व्याख्या करें।

16. Write a note on the convention on the Rights of Child, 1989.

बाल अधिकार, 1989 के अभिसमय पर एक टिप्पणी लिखें ।

17. What do you understand by 'Legal Aid' to the poor. Explain its need in the case of a country like India.

गरीबों को दी जानेवाली 'कानूनी सहायता' से आप क्या समझते हैं? भारत के संदर्भ में इसकी आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत करें।

18. Examine the contributions of the Amnesty International towards the cause of protecting human rights.

'एमनेस्टी इन्टरनेशनल' का मानवाधिकार के संरक्षण में योगदान का विवेचन करें।

19. Write a brief note on 'Right to Development'.

विकास के अधिकार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

20. Examine the role of planned development in mitigating socio-economic inequality.

सामाजिक, आर्थिक असमानता को कम करने में नियोजित विकास की क्या भूमिका है, विवेचन कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। हर प्रश्न का उत्तर लगभग (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Explain Amartya Sen's views on, 'Development as Freedom'.
अमर्त्य सेन की 'स्वतंत्रता के रूप में विकास' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
22. Examine the contemporary relevance of the Helsinki Declaration.
हेलसिन्की अद्घोषणा की वर्तमान संगतता का परीक्षण कीजिए।
23. Bringout the significance of Right to Education as a human right.
मानवाधिकार के रूप में शिक्षा के अधिकार के महत्व की चर्चा करें।
24. Discuss the need for reforming the Indian Evidence Act from the point of view of human rights protection.
मानवाधिकार संरक्षण के दृष्टिकोण से भारतीय कानून में सुधार की आवश्यकता पर विचार करें।
25. Show how environment degradation constitutes a threat to the human rights of future generation.
पर्यावरण का ह्रास, भविष्य की पीढ़ी के मानवाधिकार के लिए खतरा बन जाता है, लिखें।

Lined writing area with 30 horizontal lines.

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 Marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Evaluate the role of United Nations in the protection and promotion of human rights, internationally.

अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में मानवाधिकार के संरक्षण और विकास में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का मूल्यांकन करें।

OR/अथवा

Explain how the quest of Trans National Corporations (TNCs) for markets and profits violates the basic human rights of the people of the developing nations.

बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की, बाजार और लाभ की खोज में किस प्रकार, विकासशील देशों की जनता के मूल मानवाधिकारों का उल्लंघन है?

OR/अथवा

Critically examine the role of New Social Movements (NSMs) in India in advancing the cause of human rights, citing specific instances.

भारत में मानवाधिकारों के विकास में नये सामाजिक आन्दोलनों की भूमिका की समीक्षा, उदाहरण देते हुए करें।

A series of horizontal lines for writing, spanning the width of the page.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date